दैनिक
जलतेदीप

प्रवासी राजस्थानी झुनझुनवाला भी करेंगे प्रदेश में निवेश

इको-टूरिजम को बढ़ावे के लिए 110 करोड़ का निवेश कर ऑर्गेनिक रिसोर्ट बनायेगा मणि ग्रुप

जलतेदीप वासं, जयपुर

प्रवासी राजस्थानी व रियल एस्टेट व अतिथि सत्कार क्षेत्र की अग्रणी कंपनी मणि ग्रुप के सीईओ संजय झुनझुनवाला प्रदेश में अपनी तरह का एक अनूठा ऑर्गेनिक रिसोर्ट बनायेंगे। उनकी कम्पनी नागौर जिले के अजमेर के निकट इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक अभिनव स्टार रेटेड ऑर्गेनिक रिसोर्ट तैयार करेगी, इस संबंध में मणि ग्रुप ने राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया। परियोजना का आनुमानिक खर्च 110 करोड़ रुपये है। प्रस्तावित स्टार रेटेड ऑर्गेनिक रिसोर्ट लगभग 300 बीघा जमीन पर तैयार किया जायेगा जिसमें पर्यावरण की निरंतरता को आराम के साथ समाहित किया जायेगा और इसमें एक सम्मेलन केंद्र (कम से कम 500 लोगों के लिए सम्मेलन और बैंक्वेट की सुविधा के साथ) 70+ मेहमान विला, एक कॉफी शॉप, दिन भर चलने वाला डाइनिंग रेस्तरां, लाउंज बार के साथ स्पेशियलिटी रेस्तरां, एक स्पा, एक जिम्नेजियम तथा मनोरंजन की कई अन्य सुविधाएं रहेंगी।

मणि ग्रुप के सीईओ संजय झुनझुनवाला ने इस अवसर पर कहा कि मैं प्रदेश की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने कोलकाता में हमसे मुलाकात का समय निकाला जहां हमने ऑर्गेनिक रिसोर्ट परियोजना का प्रस्ताव दिया, मैं रिसर्जेट राजस्थान-2015 के आयोजन के लिए बधाई देना चाहूंगा जहां पर्यटन सेक्टर को प्राथमिकता से शामिल किया गया है। रिसोर्ट के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि पूरी तरह हरित यह रिसोर्ट पर्यावरण के प्रति बढ़ रही जागरूकता तथा ग्रामीण परिवेश के साथ-साथ समूचे विश्व के साथ रहने की अवधारणा पर आधारित है, इसका परिचालन विशिष्ट ग्लोबल रिसोर्ट ऑपरेटर द्वारा किया जायेगा। इस परियोजना से 450 से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकेगा। ऑर्गेनिक रिसोर्ट में प्रस्तावित दक्षता विकास केंद्र न केवल रिसोर्ट के कर्मचारियो को प्रशिक्षित करेगा बल्कि नजदीक रहने वाले ग्रामीणों को भी रोजगार और प्रशिक्षण मुहैया करायेगा अधिकांश जमीन का उपयोग जैविक उत्पाद उगाने के लिए किया जायेगा जिसमें रासायनिक खाद का बिल्कुल भी उपयोग नहीं

किया जायेगा, इस उत्पाद का इस्तेमाल रिसोर्ट में ही किया जायेगा उत्पादन के ऑर्गेनिक तरीकों तथा इलाके में जल विभाजक के विकास से न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी बल्कि इलाके के जलस्तर को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी जिससे स्थानीय कृषकों व ग्रामीणों को लाभ होगा।